एमएसएमई बना अर्थव्यवस्था का इंजन : दास

गवर्नर को भरोसा...विनिर्माण क्षेत्र के दम पर महामारी से उबरकर जल्द किस्मत बदलेगा भारत

मुंबई। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि महामारी के दौरान एमएसएमई क्षेत्र अर्थव्यवस्था का इंजन बनकर उभरा है। देश के विनिर्माण क्षेत्र ने रफ्तार पकड़ ली है और भारत जल्द महामारी के दबाव से उबरकर अपनी किस्मत बदलेगा।

गवर्नर ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर एक बार फिर चिंता जताई और कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को

केंद्र-राज्य मिलकर घटाएं पेट्रोल पर टैक्स

मिलकर इसे कम में लाना चाहिए। टैक्स में तोतरफा कटौती से न सिर्फ जनता को राहत मिलेगी, बल्कि अर्थव्यवस्था पर बढ़ते महंगाई के दबाव को भी घटाया जा सकेगा। ईंधन कीमतों का असर विनिर्माण, उत्पादन की लागत पर भी पड़ता है।

मुंबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में दास ने कहा, विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती के बूते ही भारत वैश्विक जरूरत का 50% कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति कर रहा है। निजी क्षेत्र को इस समय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में ज्यादा निवेश करना चाहिए। भारत का फार्मा क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है, जो सालाना 12 अरब डॉलर का अतिरिक्त उत्पादन करता है। बैंकों पर बैड लोन का बोझ घटाने के लिए संपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) बनाने के सवाल पर कहा कि देश का वित्तीय क्षेत्र पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत स्थिति में है। सूक्ष्म वित्तीय संस्थानों (एमएफआई) को सुदृढ़ बनाने के लिए नया ढांचा बनाया जा रहा है। वैश्विक मंदी के बावजूद कुल उत्पादन में 9.2% गिरावट का अनुमान है, जो 2009 में 22% था। आत्मनिर्भर भारत अभियान और पीएलआई जैसी योजना से भारत जल्द महामारी के दबाव से उबरकर अपनी किस्मत बदलने में कामयाब होगा। एजेंसी